News of Department of Social work

Free check-up Health Camp on the eve of International Women's Day in KhanpurKalanViilage(8/3/2022)

महिला का साक्षर होना जरूरी: प्रो सुदेश

- कुलपति प्रो . सुदेश छिक्कारा ने किया शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

महिलाओं का साक्षर होना बहुत जरूरी है। महिला अपने साथ दो परिवारों को जागरूक और संरक्षित कर सकती है। ये बात कही भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कही। वे विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग और विरमानी हास्पिटल गोहाना द्वारा गांव खानपुर कलां की बंगला चौपाल में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ करने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रही थीं।

प्रो. सुदेश छिक्कारा ने कहा कि औरत को घूंघट से सुरक्षा कैसे मिल सकती है। घर में तो हम अपनों के बीच रहते हैं और उससे सुरक्षित जगह कोई नहीं होती। महिलाएं साक्षरता और जागरूकता से सुरक्षित हो सकती हैं। हमें घर में अपने बच्चों को संस्कार देने चाहिए की वो महिलाओं की इज्जत करें। महिला और पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. नीलम मलिक ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा बहुत जरूरी है। महिलाएं भी स्वरोजगार पर बल दें। कार्यक्रम में डा. दीप्ति विरमानी, समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार और डा. ज्ञान मेहरा आदि मौजूद रहे।

गोहाना। कुलपति प्रो . सुदेश छिक्कारा का स्वागत करतीं डा . मंजू पंवार, दाएं कुलसचिव नीलम मलिक। फोटो : हरिभूमि

One day workshop on Curriculum Development (26/11/2021)

पाठ्यक्रम परिवर्धन विकास पर कार्यशाला आयोजित

गोहाना, 27 नवंबर (रामनिवास धीमान) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा पाठ्यक्रम परिवर्धन विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षा डॉ मंजू पंवार ने की। इस कार्यशाला में बतौर वक्ता पाठ्यक्रम विशेषज्ञों के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र से समाज कार्य विभाग की प्रोफेसर विनीता ढींगरा , जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली से प्रोफेसर अर्चना दासी , पंजाब विवि चंडीगढ़ के समाज कार्य विभाग की प्रोफेसर मोनिका मुंजाल और केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के समाज कार्य विभाग से प्रोफेसर जगदीश जाधव ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

डॉ मंजू पंवार ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व नयी शिक्षा नीति की सिफारिश परिणाम आधारित शिक्षा को ध्यान में रखते हुए समाज कार्य कोर्स के लिए पाठ्यक्रम विकसित करना तथा पाठ्यक्रम के उद्देश्य निर्धारित करना है। प्रोफेसर अर्चना दासी ने व्यक्तिक सेवा कार्य, सामूहिक सेवा कार्य तथा महिलाओं व बच्चो के साथ समाज कार्य आदि विषयो पर चर्चा की तथा इन विषयों पर परिणाम आधारित उद्देश्य को पाठ्यक्रम में शामिल करने सम्बंधित व्याख्यान दिया। प्रो जगदीश जाधव ने समाज कार्य क्षेत्र , सामाजिक उदयमिता व समाज कार्य प्रशासन आदि विषयों पर पाठ्यक्रम विकास में मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रो मोनिका मुंजाल ने जेंडर, विकास, समाज कार्य शोध, स्वास्थ्य देखभाल समाज कार्य अभ्यास आदि विषयों पर पाठ्यक्रम के परिणाम व उद्देश्य निर्धारित करने सम्बंधित दिशा निर्देश प्रदान किये। प्रो. विनीता ढींगरा ने समाज कार्य परिचय, समाज व सामाजिक प्रक्रिया और मानव वृद्धि व व्यक्तित्व विकास आदि विषयों पर पाठ्यक्रम परिवर्धन के लिए मार्गदर्शन किया। डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस एक दिवसीय कार्यशाला में समाज कार्य विषय के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर चर्चा की गयी तथा वास्तविक सामाजिक परिस्थितियां, भारतीय संस्कृति व ज्ञान, सिखने के प्रतिफल आदि पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। महिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजेन्द्र कुमार अनायत ने विभाग के शिक्षकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुये कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से सभी का बौद्धिक विकास व नवीन ज्ञान सीखने का अवसर प्राप्त होता है। इस कार्यशाला में प्रो. सुरेंदर मोर, डॉ दीपाली माथुर, ज्ञान मेहरा व सोहन लाल भी मौजूद रहे।

गोहाना : कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

Extension lecture on Importance of Research in Social Work Development. (29/9/2021)

शोध से होता है नई विधियों का जन्म : डॉ. विनीता धींगड़ा

गोहाना, 4 अक्तूबर (अरोड़ा): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य विकास में शोध का महत्व विषय पर वर्चुअल व्याख्यान का आयोजन करवाया गया जिसमें बतौर मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की डॉ. विनीता धींगड़ा ने संबोधित किया। संयोजन समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने किया।

व्याख्यान में डॉ. विनीता धींगड़ा ने अनुसंधान क्रियाविधि, शोध परिकल्पना, उद्देश्य तथा अनुसंधान प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए कहा कि शोध के माध्यम से समाज कार्य विभाग में नवीन विधियों का जन्म होता है जो सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि शोध के माध्यम से प्राचीन सामाजिक संरचना, संस्कृति, साहित्य व सामाजिक व्यवस्था का ज्ञान होता है तथा भविष्य में इस ज्ञान का प्रयोग किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शोध का क्षेत्र बहुत ही ज्यादा व्यापक होता है। समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों को करने के लिए बहुत कुछ नया मिलता है। उन्हें समाज को गहनता से जानने का अवसर भी मिलता है। इस व्याख्यान में समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पवार, डॉ. दीपाली माथुर, ज्ञान मेहरा, लूसी और सोहनलाल के साथ छात्राएं भी शामिल हुईं। वर्चुअल व्याख्यान के सफल आयोजन के लिए महिला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजेंद्र कुमार अनायत व कुलसचिव डॉ नीलम मलिक, ने आयोजकों को साधुवाद दिया।

समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित वर्चुअल व्याख्यान में भाग लेते प्रतिभागी। (अरोड़ा)

One Day National webinar on Social Work Intervention with Marginalized section of society with specific reference of COVID-19. (10/6/2020)

नारी हिंसा पर अंकुश के लिए 'पड़ोस वॉच ग्रुप' बनाने का दिया सुझाव

गोहाना, 2 जून (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुषमा यादव ने सुझाव दिया कि नारी हिंसा पर अंकुश के लिए 'पड़ोस वॉच ग्रुप' बनाएं। वह कोविड-19 के महिलाओं पर प्रभाव विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैबीनार की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने चिन्ता व्यक्त की कि लॉकडाऊन में महिलाओं पर हिंसा के मामले बढ़े हैं।

वी.सी. ने कहा कि पुरुषों की तुलना में कम आत्मनिर्भर होने से कोविड-19 का महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव अधिक पड़ा है। इस अंतर्राष्ट्रीय वैबीनार को रिसोर्सपर्सन के रूप में ऑनलाइन साऊथ अफ्रीका की

अंतर्राष्ट्रीय वैबीनार के संयोजक दल के साथ वी.सी. प्रो. सुषमा यादव। (अरोड़ा)

डर्बन यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी के प्रो. रामसूयाह भगवान, अनवूमैन संस्था की कंट्री प्रोग्राम मैनेजर डा. कांता सिंह, मराठा फैरल फाऊंडेशन की निदेशक डा. नंदिता भट्ट, एस.आई.डी.बी.आई. यानी सिडबी की सोनल जेतली ने सम्बोधित किया।

वी.सी. प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि कोविड-19 के वैश्विक संकट का महिलाएं आत्मविश्वास और लचीलेपन से सामना कर रही हैं। उन्होंने युवा महिलाओं को तकनीकी रूप से तैयार होने के लिए कहा। उनके अनुसार आने वाला वक्त ऐसी महिलाओं का ही है। वैबीनार में इप्शिता बंसल, डा. दीपाली माथुर, ज्ञान चंद, लूसी, सोहन लाल आदि ने भी भाग लिया।

Organized one day International webinar on Impact of COVID- 19 on Women (2/6/2020)

3 june_9 june.pdf

समाज कार्य विभाग ने महिलाओं पर कोविद-19 का प्रभाव विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

उजाला आजतक

गोहाना, रामनिवास धीमान । कोरोना कोविड-19 की महामारी के दौरान अनलॉक एक के दूसरे दिन के चलते भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग ने महिलाओं पर कोविद-19 का प्रभाव विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार को डरबन यूनिवर्सिटी ऑफ् टेक्नोलॉजी, साउथ अफ्रीका की प्रोफेसर रईसुया भगवान, डॉ कांता ने संबोधित किया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि महिलाओं पर कोविद19 का प्रभाव पुरुषों की तुलना में अधिक रहा है। लोकडाउन के दौरान घरेलु हिंसा के मामले बड़े हैं। आर्थिक कठिनाइयों के संदर्भ में महिलाओं पर प्रभाव और भी अधिक रहा है क्योंकि महिलाओं का व्यक्तिगत वित्त पुरुष समकक्षों की तुलना में कमजोर होता है । हालांकि, प्रोफेसर यादव ने आत्मविश्वास और लचीलापन के साथ संकट का सामना करने की क्षमता के लिए महिलाओं की प्रशंसा की। उनहोनें कहा कि महिलाओं में आंतरिक इम्युनिटी होती है और उन्हें ईश्वरीय शक्ति प्राप्त होती है। प्रोफेसर यादव ने कहा कि %पड़ोस वॉच ग्रुप% बनाए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर अंकुश लगाया जा सके। प्रोफ सुषमा यादव ने युवा लड़कियों को खुद को तकनीकी रूप से तैयार करने के लिए कहा क्योंकि भविष्य में कुशल और योग्य महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में रिक्तियां होने वाली हैं। अकादमिक मामलों की अधिष्ठाता प्रोफेसर इप्शिता बंसल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया । विभाग की चेयरपर्सन डॉ मंजू पंवार , सह सयोंजिका डॉ दीपाली माथुर, श्री ज्ञान चंद, श्रीमती लूसी और श्री सोहन लाल द्वारा वेबिनार को आयोजित किया गया। डॉ मंजू पंवार ने कहा कि वेबिनार में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Awareness programme on National Voter's Day in Garhiujjale Khan Village (5/2/2020)

गढ़ी उजाले खां में वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने की मांग

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि, खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग द्वारा गढ़ी उजाले खां गांव में ग्राम सभा आयोजित की गई। विभाग की तरफ से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया गया। सभा में ग्रामीणों ने विवि प्रशासन से गांव में लड़कियों के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने की मांग की है।

विभाग की अध्यक्ष डॉ.मंजू पंवार ने बताया कि यह सभा उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई थी। इस दौरान ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

साथ ही उन्हें योजनाओं का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया गया। सभा में गांव में सरपंच जगबीर सिंह, ग्राम सचिव अमन सिंह, सतपाल, अध्यापक लूसी और सोहनलाल, छात्राएं, आशा वर्कर, आंगनवाडी वर्कर और ग्रामीण उपस्थित रहें।

Face mask making training to the Self-Help Group members in KhanpurKalan village. (4/5/2020)

महिलाएं मास्क बनाकर कर रही समाजसेवा

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं कोरोना से बचाव के लिए मास्क बनाकर प्रशंसनीय कार्य कर रही हैं। महिला विवि द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर अपने द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को कोरोना महामारी के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत अपने आसपास के कई गांवों को गोद ले रखा है। विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह भी बना रखे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस काम के लिए महिलाओं की सराहना की है। पंवार ने बताया कि विभाग द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

One day workshop on sexual harassment with women at work place (27/2/2020)

महिला यौन उत्पीड़न पर अंकुश के लिए मांगे सुझाव

कार्यशाला में शिक्षिकाओं के साथ छात्राएं। (अरोड़ा)

पंजाब केसरी 28-2-20

गोहाना, 28 फरवरी (अरोड़ा): गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकने विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्राओं ने विषय संबंधी सवाल किए और अपने सुझाव भी दिए। कार्यशाला का संयोजन समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार ने किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता मारथा फेरल फाउंडेशन की निदेशक डा. नंदिता थी। डा. नंदिता ने कार्यशाला में छात्राओं को महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न संबंधी कानून की जानकारी दी। उन्होंने कार्यशाला में छात्राओं द्वारा विषय से संबंधित पूछे गए सवालों के जवाब दिए और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकने के लिए छात्राओं से सुझाव भी मांगे। मुख्य वक्ता ने कहा कि महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं समाज पर कलंक हैं। महिलाओं को उनके साथ हो रही यौन शोषण की घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक बनने की जरूरत है। कार्यशाला में समाज कार्य विभाग से सोहन लाल, ज्ञान मेहरा, डा. दीपाली माथुर, लूसी, वाणिज्य विभाग से अंकित, प्रबंधक विभाग से मनु नांदल और आयुर्वेदा विभाग से डा. वीणा अग्रवाल मौजूद रहे।

छात्राओं ने कार्यशाला में यौन उत्पीड़न पर दिए सुझाव

संवाद न्यूज एजेंसी

अमर उजाला 29-2-2020

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग द्वारा महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकने के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्राओं ने बिषय संबंधी सवाल किए और अपने सुझाव भी दिए। कार्यशाला का संयोजन समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजु पंवार ने किया।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता मारथा फेरल फाउंडेशन की निदेशक डॉ. नंदिता रही। डॉ. नंदिता ने कार्यशाला में छात्राओं को महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न संबंधी कानून की जानकारी दी। उन्होंने कार्यशाला में छात्राओं द्वारा विषय से संबंधित पूछे गए सवालों के जवाब दिए और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकने के लिए छात्राओं से सुझाव भी मांगे। इस दौरान समाज कार्य विभाग से सोहन लाल, ज्ञान मेहरा, डॉ. दीपाली माथुर, लूसी, वाणिज्य विभाग से अंकित, प्रबंधक विभाग से मनु नांदल व आयुर्वेदा विभाग से डॉ. वीणा अग्रवाल मौजूद रहे।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में बीएससी प्रथम

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। समारोह का शुभारंभ विवि की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया। इस दौरान विज्ञान विषय से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीएससी की टीम प्रथम स्थान पर रही। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के लिए संयोजन डॉ. सुमन बी कुहाड़ का रहा। समारोह में छात्राओं की प्रतिभा परखने के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी व कोलाज प्रतियोगिताओं के अलावा विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। विज्ञान प्रदर्शनी में फैशन विभाग की टीम प्रथम व उच्चतर अधिगम संस्थान की टीम द्वितीय स्थान पर रही। कोलाज में उच्चतर अधिगम संस्थान की बीएससी की छात्रा मोनिका प्रथम, तन्नू द्वितीय व मानसी तृतीय स्थान पर रही। समारोह में मेधावी छात्रा वर्षा को सांत्वना पुरस्कार मिला। कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विजेता छात्राओं को आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

One day Awareness Programme on Iron deficiency in Girls and Women (Anaemia) in GarhiUjjale Khan Village (5/2/2020)

खून की कमी से बाल झड़ते और नाखून हो जाते हैं सफेद

गोहाना। यदि आप को चक्कर आते हैं, आप के बाल झड़ रहे हैं और आप के नाखून सफेद हो गए हैं, इसका मतलब यह है कि आप में खून की कमी है और आप को वक्त रहते सम्भलना होगा। बुधवार को यह जानकारी बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग की डा. प्रीति कौशिक ने दी। वह महिला विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग द्वारा गढ़ी उजाले खां गांव के राजकीय वरिष्ठ्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में बेटियों में खून की कमी विषय पर विस्तारक व्याख्यान दे रहे थे। अध्यक्षता सोशल वर्क विभाग की एचओडी डा. मंजू पंवार और मेजबान स्कूल के प्रिंसीपल सुशील बंसल ने की। डा. प्रीति कौशिक ने कहा कि सही समय पर खाना न खाने, दूध न पीने तथा हरे पत्तों वाली सब्जियां न खाने से खून की कमी हो जाती है। गुड़, चना, दूध, फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन बढ़ा कर खून की कमी पूरी की जा सकती है। कार्यक्रम में डा. दीपाली माथुर, ज्ञान मेहरा और लूसी ने भी विचार व्यक्त किए।

खून की कमी से बाल झड़ते और नाखून हो जाते हैं सफेद : डा. प्रीति

डा. प्रीति कौशिक छात्राओं को खून की कमी के कारणों की जानकारी देते हुए। (अरोड़ा)

गोहाना, 5 फरवरी (अरोड़ा): यदि आप को चक्कर आते हैं, आप के बाल झड़ रहे हैं और आप के नाखून सफेद हो गए हैं, इसका मतलब यह है कि आप में खून की कमी है और आप को वक्त रहते सम्भलना होगा।यह जानकारी बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के आयुर्वेद विभाग की डा. प्रीति कौशिक ने दी। वह महिला विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग द्वारा गढ़ी उजाले खां गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में बेटियों में खून की कमी विषय पर विस्तारक व्याख्यान दे रहे थे। अध्यक्षता सोशल वर्क विभाग की एच.ओ.डी. डा. मंजू पंवार और मेजबान स्कूल के प्रिंसीपल सुशील बंसल ने की।

डा. प्रीति कौशिक ने कहा कि सही समय पर खाना न खाने, दूध न पीने तथा हरे पत्तों वाली सब्जियां न खाने से खून की कमी हो जाती है। गुड़, चना, दूध, फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन बढ़ाकर खून की कमी पूरी की जा सकती है। कार्यक्रम में डा. दीपाली माथुर, ज्ञान मेहरा और लूसी ने भी विचार व्यक्त किए।

One day workshop on "Mother Not Patient" (15/10/2019)

हरिभूमि 19-10-19

सामान्य प्रसव के लिए जागरूक बनें महिलाएं : स्टीवर्ट

- समाज कार्य विभाग में मदर नोट पेसेंट विषय पर कार्यशाला आयोजित

19-10-19

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में शुक्रवार को मदर नोट पेसेंट विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। ऑनलाइन ग्लोबल मीडिया देवडिस्कोर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला की मुख्य वक्ता वार्विक विश्वविद्यालय से प्रो. एन स्टीवर्ट थीं। स्टीवर्ट ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं सिजेरियन डिलीवरी के प्रति ज्यादा रूझान रखती हैं जबकि उनको डॉक्टर की सलाह के अनुसार प्राकृतिक प्रसव के प्रति जागरूक होना चाहिए। महिलाओं को प्राकृतिक प्रसव ही कराना चाहिए।

प्रो. एन स्टीवर्ट ने कहा कि गर्भवती महिला का स्वस्थ होना जरूरी है। इसके लिए महिला को खानपान का ध्यान रखते हुए आरामदायक वातावरण जरूरी है। कार्यक्रम की मुख्यातिथि बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. इप्शिता बंसल ने कहा कि महिलाओं को प्राकृतिक प्रसव के विषय में जागरूक होना बहुत जरूरी है। गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर डॉक्टर की सलाह व स्वास्थय की जांच करानी चाहिए। कार्यशाला की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की इंचार्ज डा. मंजु पंवार ने की। कार्यशाला में 50 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर नीतिका, रिसर्च स्कोलर डा. राजीव महेंद्रु, डा. जीके पांडा, डा. शलोनी गुप्ता, डा. दीपाली माथुर, लूसी और साहनलाल आदि मौजूद रहे।

गोहाना। मुख्यातिथि डा. इप्शिता बंसल का स्वागत करती डा. मंजु पंवार।

Scanned with CamScanner

Faculty Development Progamme on “Rural Immersion and Community engagement”.(26/7/2019-1/8/2019)

‘नीतियां धरातल पर भी दिखाई देनी चाहिए’

दैनिक भास्कर 2-8-19

गोहाना | बीपीएस महिला विवि, खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग और महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड रूरल इमर्सन विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया। विवि की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि ग्रामीण विकास की नीतियां धरातल पर भी दिखाई देनी चाहिए। ग्रामीणों से पूछकर यदि उनके लिए नीतियां बनाई जाएंगी तो ज्यादा सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे, क्योंकि ग्रामीण समस्याओं का समाधान स्वयं ग्रामीण ही बता सकते हैं। कुलपति ने कहा कि संस्कृति, पर्यावरण, जलसंचय आदि विषयों पर पाठ्यक्रमों में शामिल करें। इन विषयों पर अधिक शोध करें। जिससे गांव और शहर के बीच बढ़ती खाई को भरा जा सके। इस अवसर पर ट्रेनर और एमएचआरडी के विशेषज्ञ डॉ.शत्रुघन भारद्वाज ने सरकार की ग्रामीण विकास के लिए बनी विभिन्न नीतियों के बारे में बताया और विषय पर अपने सुझाव भी दिए। कार्यशाला की संयोजिका डॉ. मंजू पंवार ने बताया की इसमें लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के डॉ. अतुल प्रसाद, प्रो. महेश दधीच, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा और डॉ. रवि भूषण आदि उपस्थित थे।

A Street Play (NukkadNatak) on 'BetiBachaoBetiPadao'. .(30/9/2019)

...को कंकरीट से बनाया गया था। कॉलोनी निवासी सुरेश, ब्रह्मदत्त, रणबीर शर्मा व स्कूल के एमडी राजबीर शर्मा ने कहा कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा करीब तीन माह पहले गली में सीवर लाइन दबाई थी। तब इस गली को बीच से उखाड़ा गया था। सीवर लाइन दबाए करीब दो माह बीत चुके हैं लेकिन गली का दोबारा से निर्माण नहीं करवाया गया है। गली बीच से उखड़ी होने से कॉलोनी के लोगों और स्कूल के बच्चों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। कॉलोनी के लोग नगर परिषद और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता दलबीर सिंह से जब बातचीत की गई तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

जन स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए के विद्यार्थी • जागरण

नाटक के माध्यम से यात्रियों को दिया स्वच्छता का संदेश

महिला विश्वविद्यालय की छात्राएं नाटक की प्रस्तुति देते हुए • जागरण

जासं, खानपुर कलां : बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की छात्राओं ने प्लास्टिक मुक्त ग्राम अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर नाटक किया। नाटक के माध्यम से छात्राओं ने यात्रियों को स्वच्छता का संदेश दिया।

समाज कार्य विभाग की शिक्षिका लूसी ने यात्रियों से अपील की कि देश को गंदगी और प्लास्टिक से मुक्त बनाने में सहयोग दें। उन्होंने यात्रियों से कहा कि वे जब भी यात्रा के लिए घर से निकलें तब पीने का पानी साथ लेकर जाएं। प्लास्टिक की बोतलों का प्रयोग न करें। उन्होंने प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यात्री पॉलीथिन के बैग की जगह कपड़े का बैग इस्तेमाल करें। स्टेशन के अधिकारियों ने भी यात्रियों से प्लास्टिक का प्रयोग न करने का संकल्प करवाया और अपने आसपास में सफाई का ध्यान रखने की अपील की।

महिलाओं को जागरूक होना

जागरण संवाददाता, सोनीपत : सुभाष स्टेडियम में सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पोषण अभियान पर जिला ...

Organized awareness programme on “Plastic free Village” in the adopted villages (September 2019).

प्लास्टिकमुक्त भारत पर प्रशांत ने बनाया सबसे अच्छा पोस्टर

पंजाब केसरी 30-9.19

प्लास्टिकमुक्त भारत अभियान पर बनाए पोस्टर दिखाते हुए बच्चे। (अरोड़ा)

गोहाना, 29 सितम्बर (अरोड़ा): गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ पर गांव कासंडी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पहले जागरूकता रैली निकाली गई और बाद उक्त विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रशांत प्रथम, मंजू द्वितीय और आंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जागरूकता कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार का रहा। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने का संदेश दिया। रैली के बाद उक्त विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक ज्ञान मेहरा, सोहन लाल और लूसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने का संदेश दिया। ज्ञान मेहरा ने कहा कि हम प्लास्टिक का उपयोग छोड़ कर स्वच्छ भारत निर्माण में अपना सराहनीय योगदान दे सकते हैं।

अपनी परंपराओं को सहेज कर रखें : कुलपति

7-2-19 दैनिक जागरण

महिला विवि में कुलपति प्रो. सुषमा यादव, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. जयबीर सिंह आर्य गोष्ठी में अपने विचार रखते हुए ● जागरण

जासं, खानपुर कलां : गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की कुलपति सुषमा यादव ने कहा कि हमें अपनी परंपराओं को सहेज कर रखना चाहिए। वह उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिन की संगोष्ठी के शुभारंभ पर शिक्षकों को संबोधित कर रही थीं।

कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरियों के पीछे भागने की मानसिकता को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि अब भारतवंशी विदेशों को छोड़ कर राष्ट्र की सेवा करने के लिए देश में वापस लौट रहे हैं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सोनीपत के एडीसी डॉ. जयबीर सिंह आर्य ने कहा कि देश तब तक उन्नत नहीं बन सकेगा जब तक नारी शक्ति की पर्याप्त उन्नति नहीं होगी।

कार्यक्रम का संयोजन मेजबान विभाग की एचओडी डॉ. मंजु पंवार ने किया। रिसोर्स पर्सन डॉ. नूपुर तिवारी, दिलबाग सिंह, मंजु रानी व नवीन गुप्ता ने भी विचार व्यक्त किए।